नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

मौत का मांजा : सख्ती के साथ जागरूकता अनिवार्य

मकर संक्रांति जैसे लोकपर्व का उल्लास जब मौत की डोर में उलझ जाए, तो यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज और प्रशासन के लिए चेतावनी होती है. चाइनीज नायलॉन मांजे से लगातार हो रही मौतों और गंभीर हादसों के बाद मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा स्वत: संज्ञान लेना बताता है कि मामला अब सिर्फ कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक जिम्मेदारी का है. अदालत के सख्त निर्देश इस बात का संकेत हैं कि अब किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि चाइनीज मांजा बेचने या इस्तेमाल करने वालों पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 106(1) के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज होगा, जिसमें पांच साल तक की सजा का प्रावधान है. इतना ही नहीं, यदि कोई नाबालिग इस जानलेवा मांजे से पतंग उड़ाते हुए पाया गया, तो उसके माता-पिता और अभिभावकों को भी जिम्मेदार ठहराया जाएगा. यह फैसला उन अभिभावकों के लिए कड़ा संदेश है जो 'बच्चे हैं, समझ नहीं है' कहकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते हैं.

दरअसल, चाइनीज मांजा सिर्फ एक अवैध उत्पाद नहीं, बल्कि यह मूक हत्यारा बन चुका है. बाइक सवारों की गर्दन कटने की घटनाएं, पक्षियों की निर्मम मौत और पर्यावरण को होने वाला नुकसान इसे साधारण अपराध से कहीं आगे ले जाता है. इसी गंभीरता को देखते हुए अब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की धाराओं के तहत भी कार्रवाई का रास्ता खुला है. यानी यह अपराध अब मानव जीवन के साथ-साथ पर्यावरण के खिलाफ भी माना जाएगा. हाईकोर्ट ने इंदौर सहित उज्जैन, देवास, धार, झाबुआ, रतलाम, शाजापुर, आलीराजपुर, नीमच, मंदसौर, बड़वानी, खरगोन और राजगढ़ जैसे जिलों के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को कड़ाई से प्रतिबंध लागू कराने के निर्देश दिए हैं. बाजारों पर निगरानी बढ़ाने, गोदामों और दुकानों पर छापे मारने और कालाबाजारी करने वालों को जिलाबदर करने जैसे कदम प्रशासन की सख्ती को दर्शाते हैं. अब तक 54 गिरफ्तारियां यह बताती हैं कि कार्रवाई शुरू हो चुकी है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह पर्याप्त है. बहरहाल, कानून का डर जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है समाज की भागीदारी. जब तक आम नागरिक, व्यापारी और अभिभावक खुद यह नहीं समझेंगे कि सस्ता मुनाफा या क्षणिक मनोरंजन किसी की जान से बड़ा नहीं हो सकता, तब तक ऐसी घटनाएं रुकेंगी नहीं. प्रशासन द्वारा प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश इसी दिशा में अहम कदम है.

मकर संक्रांति उल्लास, भाईचारे और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व है, न कि शोक और मातम का कारण. पतंग उड़ाना परंपरा है, लेकिन परंपरा के नाम पर अपराध को संरक्षण नहीं दिया जा सकता. हाईकोर्ट की सख्ती ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब 'अनजाने में हो गया' या 'बच्चे ने किया' जैसे बहाने काम नहीं आएंगे. समय की मांग है कि कानून, प्रशासन और समाज,तीनों मिलकर यह सुनिश्चित करें कि 'आसमान में उड़ती हर पतंग खुशी, सुरक्षा और जिम्मेदारी का प्रतीक बने,मौत की डोर नहीं, तभी मकर संक्रांति जैसे पर्व सच मायनों में उत्सव कहलाएंगे.'

भारत की एकता का उत्सव है काशी-तमिल संगमम

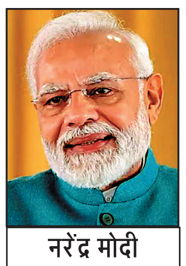

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला. इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं. इस क्षण का साक्षी बनने के लिए देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे. यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार ना मानने वाला साहस भी उनके जीवन की एक बड़ी विशेषता है. यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है. इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे. ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया. इसलिए मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं.

'मन की बात' के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा ना सीख पाने का मुझे बहुत दुख है. यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है. यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है. हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्त्व है. इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है. इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं.

काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है.यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी हुई है. यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं.

काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता रहा है. काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु मेंरामेश्वरम तीर्थ है.तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है. पूज्य कुमारगुरुपर स्वामिजि ने अपनीविद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था.

तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा. यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली. यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली. ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो काशी और तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध को दर्शाते हैं.

वर्ष2022में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी. मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था. तब तमिलनाडु से आएलेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे. इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया.

इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो. प्रयास यह था कि ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे. वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा ना बने. इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टमपर विशेष फोकस रखा गया. इसके साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली. हजारों लोग इनका हिस्सा बने. काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ. इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम् यानि तमिल सीखें.....

> काशी-तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला है. इसके जरिए जहां सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिली है, वहीं शैक्षिक विमर्शऔर जनसंवादको भी काफी बढ़ावा मिला है. इससे हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं. इस मंच ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आगे बढ़ाया है, इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रेंट बनाने वाले हैं. ये वो भावना है, जो शताब्दियों से हमारे पर्व-त्योहार, साहित्य, संगीत, कला, खान-पान, वास्तुकला और ज्ञान-पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है. वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है. लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्योहार मना रहे हैं. ये सभी उत्सव मुख्य रूप से सूर्यदेव, प्रकृति और कृषि को समर्पित हैं. ये त्योहार लोगों को आपस में जोड़ते हैं, जिससे समाज में सद्भाव और एकजुटता की भावना और प्रगाढ़ होती है. इस अवसर पर मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं. मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी साझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी.

ग्वालियर चंबल डायरी

एक साल बीता, ग्वालियर सदर नहीं बना पाए कार्यकारिणी

हरीश दुबे

भाजपा के शहर सदर जयप्रकाश राजोरिया की ताजपोशी को पूरा एक साल होने को आया लेकिन वे अभी तक अपनी कार्यकारिणी नहीं बना पाए हैं. यह भी कह सकते हैं कि उन्होंने अपनी कार्यकारिणी के अक्श नक्श तो तैयार तो कर लिए हैं लेकिन सूबाई आला की आखिरी मोहर लगने के इंतजार में लिस्ट राजधानी में संगठन की वीथिकाओं में कहीं अटकी है. पार्टी के सूबा सदर हेमंत खंडेलवाल ने राजौरिया की नियुक्ति के अरसे बाद कार्यभार संभाला था लेकिन उन्होंने काफी पहले अपनी प्रदेश कार्यकारिणी नस्ल कर दी लेकिन ग्वालियर की जिला कार्यकारिणी अब तक अटकी हुई है. नगर निगम चुनाव काफी करीब आ गए हैं, मिशन 28 में भी जुटना है. भविष्य की इन बड़ी सियासी चुनौतियों से ग्वालियर के शहर सदर अकेले ही मुक़ाबिल हैं. अंदरखाने खबर है कि ग्वालियर की जिला कार्यकारिणी गुटबाजी की चपेट में आ गई है.

निवर्तमान सूची में सुधीर गुप्ता और सत्येंद्र शर्मा को सिंधिया कोटे से क्रमश: नायब सदर और सेक्रेटरी जैसी अहम जिम्मेदारियां मिली हुईं थीं. इस बार पेंच फंसा हुआ है कि किस बड़े नेता का कितना कोटा फिक्स किया जाए. ग्वालियर की भाजपा राजनीति में सिंधिया और नरेन्द्र सिंह तो दो बड़े छत्रप हैं ही, इनके अलावा पवैया और शेजवलकर जैसे पूर्व सांसदों के समर्थकों को भी एडजस्ट किए जाने की चुनौती है. संतुलन और सर्वसंतुष्टि के प्रयास में फेहरिस्त पेज से बाहर जा रही है जबकि उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री समेत सभी पदों की संख्या पहले से निर्धारित है, कम तो हो सकते हैं लेकिन ज्यादा नहीं. तमाम काटछांट और घटबढ़ की कवायद में सूची ही होल्ड पर कर दी गई है. इस बीच शहर सदर राजौरिया के सील सिक्के से जारी एक लिस्ट मीडिया में वायरल हुई लेकिन प्रदेश मीडिया प्रभारी और शहर सदर, दोनों ने ही इसे फर्जी करार दे दिया है. पदाभिलाषियों के पास सिवा इंतजार के दूसरा चारा नहीं है.

शिवपुरी की कार्यकारिणी में सिंधिया का दबदबा

ग्वालियर में भले ही भाजपा की जिला कार्यकारिणी पुरजोर मशक्कत के बावजूद नहीं बन पा रही लेकिन शिवपुरी में जिला अध्यक्ष जसमंत जाटव ने अपनी कार्यकारिणी बनाकर बाजी मार ली है. जसमंत सिंधिया के सिपहसलार हैं, जाहिर है कि उनकी सूची में सिंधिया समर्थकों का ही दबदबा है. खास बात यह है कि प्रमुख पदों पर उन्हीं नेताओं और कार्यकर्ताओं को जगह मिली है, जिन्हें सिंधिया का समर्थक माना जाता है.

जाहिर है कि मालवा और चंबल के मिलन स्थल पर बसे शिवपुरी और गुना शहरों की भाजपाई राजनीति में सिंधिया का जलवा बरकरार है. शिवपुरी जिले में संगठनात्मक रूप से सिंधिया समर्थकों की स्थिति पहले से मजबूत बनी हुई है. सिंधिया जब कांग्रेस में थे तब भी और अब जबकि वे भाजपा में हैं, उन्होंने अपनी पार्टी पर वर्चस्व बनाए रखा है. बहरहाल राजनीतिक वीथिकाओं में शिवपुरी भाजपा की सूची को गुटीय संतुलन से जोड़कर बताया जा रहा है.

बरैया ने कांग्रेस को फिर मुसीबत में डाला

अक्सर अपने बयानों को लेकर विवादों में रहने वाले दतिया जिले की भांडेर सीट से दूसरी बार कांग्रेस के विधायक बने फूल सिंह बरैया एक बार फिर अपने बयान से सुर्खियों में हैं. उन्होंने सार्वजनिक मंच से यह कहकर कि अनुसूचित जाति जनजाति के सांसद-विधायकों की स्थिति जानवरों जैसी है और इन्हें कोई अधिकार नहीं है, अपनी ही पार्टी को मुसीबत में डाल दिया है. बरैया यहीं नहीं रुके हैं, उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में हनुमान जी की प्रतिमा बांटी जा रही है, कोशिश करें कि वे हिंदू न बन पाएं. हैरत की बात यह है कि जब वे मंच से यह बयान दे रहे थे तब दिग्विजय सिंह, उदित राज और आकाश भूरिया जैसे कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे पर किसी ने उन्हें नहीं टोका-रोका. हालांकि प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बरैया के बयान से किनारा कर साफ कर दिया है कि ये उनके व्यक्तिगत विचार हो सकते हैं, पार्टी को कोई लेना-देना नहीं है.भाजपा ने इसे कांग्रेस की सहमति और मानसिक दिवालियापन तो करार दिया ही है, उनके पुतले फूंकने की तैयारी भी कर रही है. बसपा से अपना राजनीतिक कैरियर शुरू कर पहले अपनी पार्टियां गठित कर और फिर लोजपा, भाजपा का रास्ता तय कर बरैया कांग्रेस में आए हैं.

एक्स के ग्रोक चैटबोट पर लगाम

भारत की कड़ी आपत्ति के बाद अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के स्वामित्व के 'एक्स' प्लेटफार्म ने 3500 कंटेंट व 600 खाते हटाने का निर्णय लिया. इसका संबंध कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले चैटबोट 'ग्रोक' से था. इस टूल का बेजा इस्तेमाल अश्लील व बिना सहमति के डीपफेक चित्र बनाने में किया जा रहा था. इसके पहले मलेशिया व इंडोनेशिया ने भी ग्रोक पर बैन लगाया. यह बेहद आपत्तिजनक टूल है जिसमें महिलाओं व बच्चों के अश्लील चित्र आते थे. लोग किसी विशिष्ट व्यक्ति का नाम डालकर उसका आपत्तिजनक चित्र देने को कहते थे. वह क्षण भर में ऐसा कर देता था. पिछले दिनों ग्रोक की सेवा सशुल्क करने की घोषणा की गई थी लेकिन करोड़ों लोग मुफ्त में इसे देखते थे. ऐसे अनैतिक टूल को रोक पाना मुश्किल है क्योंकि उसकी निरंतर निगरानी रखनी पड़ती है. सूचना तंत्र से जुड़े कानूनों को अधिक सख्त करना जरूरी है क्योंकि ऐसे कंटेंट देखकर लोग यौन अपराधों के लिए प्रवृत्त होते हैं. इससे सामाजिक व नैतिक मूल्यों को गंभीर खतरा है. जानकारी व मनोरंजन के लिहाज से मोबाइल की उपयोगिता है लेकिन जब उसमेंविकृत व अश्लील बातें आने लगें तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता. पारिवारिक रिश्तों को लेकर भी अनैतिक कंटेंट डाले जाते हैं. यह विकृति चरित्रहीनता को बढ़ावा देकर परिवार व समाज को बर्बाद कर सकती है. शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की उचित पहल और दबाव के कारण एक्स ने अश्लील कंटेंट हटाए हैं. प्रियंका ने गत 2 जनवरी को आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर कहा था कि एक्स पर ग्रोक एआई का इस्तेमाल महिलाओं की गरिमा व निजता के खिलाफ हो रहा है जो सिर्फ अनैतिक ही नहीं है बल्कि गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है. इसके बाद सरकार ने एक्स को अश्लील कंटेंट तुरंत हटाने का आदेश दिया. इलेक्ट्रानिक व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स प्लेटफार्म पर वायरल अश्लील कंटेंट को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयसीमा में आपत्तिजनक सामग्री नहीं हटाई गई तो कंपनी पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. इसके बाद एक्स ने आश्वासन दिया कि वह भारतीय कानूनों का पालन करेगा. सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इसे अभी अधूरी जीत बताया है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सरकार से संभव नहीं हुआ बीजेपी ने कर डाली मेगा भर्ती

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, यदि भारी बेरोजगारी के दौर में कोई पार्टी मेगा भर्ती शुरू कर दे तो जनता को इस नेक काम की प्रशंसा करनी चाहिए. बीजेपी ने उदारता दिखाते हुए नाशिक में अन्य पार्टियों के नेता-कार्यकर्ताओं को अपने यहां प्रवेश दिया. पुणे में भी विवादग्रस्त लोगों को निस्संकोच शामिल कर लिया. बीजेपी का रवैया ऐसा है- सबके लिए खुला है दरबार ये हमारा !'

हमने कहा, 'जब बीजेपी के पास खुद के लाखों निष्ठावान कार्यकर्ता हैं तो बाहरी लोगों की मेगा भर्ती क्यों? ऐसे लोगों को लेकर क्या फायदा जिनमें संघ के संस्कार नहीं हैं और जो सिर्फ अपना उल्लू सीधा करने में विश्वास रखते हैं?'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, मेगा भर्ती को बीजेपी का माघ मेला समझ लीजिए. जो आना चाहे, मजे से आ जाए. प्रयागराज के कुंभ मेले में भी लाखों लोगों की भीड़ होती है. बीजेपी ने भी अपने दरवाजे 9 खोल दिए. जिसमें चुनाव जीतने की क्षमता है वह आकर हमारे यहां शुद्ध और पवित्र हो जाए. बीजेपी ने बदलापुर में भी बदलाव का दौर शुरू किया. वहां पार्टी ने वादग्रस्त तुषार आपटे को स्वीकृत नगरसेवक बना दिया. वह बदलापुर की एक स्कूल में दुष्कर्म का सहआरोपी था. स्कूल में महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए उस पर यह गंभीर आरोप लगा. इस प्रकरण के बाद वह 40 दिनों तक लापता रहा फिर पुलिस के सामने समर्पण कर दिया. सिर्फ 48 घंटों के भीतर उसकी जमानत हो गई. बीजेपी ने बदलापुर में जो 4 नगरसेवक स्वीकृत किए उनमें आपटे भी था. जब जनता की तीव्र प्रतिक्रिया हुई तो उसने पद से इस्तीफा दिया.'

हमने कहा, 'अंबरनाथ में भी बीजेपी ने कांग्रेस से निलंबित 12 नगरसेवकों को प्रवेश दिया लेकिन फिर भी महापालिका पर कब्जे का सपना पूरा नहीं हो पाया. वहां एकनाथ शिंदे ने अजीत की राकांपा के 4 सदस्य साथ लेकर बाजी जीत ली. बाद में शिंदे व बीजेपी कार्यकर्ताओं की मारपीट भी हो गई. मतलब यह कि चुनाव के मौके पर कोई सिद्धांत या आदर्श नहीं चलता. सत्ता के लिए हर चाल चलनी पड़ती है. इसीलिए संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ को बीजेपी के चश्मे से मत देखो. बीजेपी के काम में संघ का हस्तक्षेप नहीं है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12142

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3		■	4	■	5
6			■	7			
	■	8	9			■	
10	11	■	12		■	13	
■	14	15	■	■	16		
17				18	■		■
19			■	20	21		22
23		■	24				

बाएं से दाएं

1.मित्र देश के विशाल मकबरे जिसमें प्राचीन राज परिवार के सदस्यों के शवों को ममी के रूप में सुरक्षित रखा जाता था 6. चलने का भाव, प्रथा, प्रचलन 7. एक फल का नाम, जाम 8. निर्निमेष दृष्टि, स्थिर दृष्टि 10. वह कागज की गड्डी जिसमें बीस दस्ते हों 12. बड़ी थाली 13. मौसी (उर्दू) 14. नुकसान, घाटा 16. मनुष्य, आदमी 17. जिसे छापकर प्रचलित न किया गया हो 19. झगड़ा 20. गणेश 23. सलाह, सन्मति 24. टकरा देना, लड़वाना

ऊपर से नीचे

1. एक उपकरण जिससे कोई द्रव पदार्थ धार या फुहारे के रूप में छोड़ा जाता है 2. एक वृक्ष का नाम, लसदार थूक 3. एक घंटे का साठवां भाग 4. घुड़की, दंड देने या हानि पहुंचाने आदि का भय दिखाना 5. नेवले के समान एक जंतु जो जल स्थल दोनों में रहता है 7. स्थिर, अचल, पक्का 9. धार्मिक व्याख्यान, वह जो कहा जाए 11. वह प्रलय जिसमें सृष्टि का नाश होता है 13. कुल, वंश 15. मुसलमानी पध्दति के अनुसार होने वाला विवाह 17. महंगा, मराठी भाषा में ग्यारह की संख्या 18. बलवान, खूब हृष्टपुष्ट 21. गमन करना, प्रस्थान करना 22. अभिनेता, एक जाति

Solution 12141

लो	ह	सा	र	■	प्र	ग	ति
म	मी	■	स	म	को	ण	■
ह	र	ज	■	को	ष	क	■
र्ष	■	प	को	ड़ा	■	■	प्र
क	■	त	■	■	दु	रू	ह
■	ऊ	प	र	■	र्वा	■	स
द	र्जा	■	म	■	सा	ज	न
र्प	■	ता	ड़	का	■	ल्दी	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में बैचारिक अशांति रहेगी, सत्संग से मन आध्यात्मिक शांति का अनुभव होगा, संतोष बना रहेगा, व्यवसायिक तनाव रहेगा, वर्ष के मध्य में पारिवारिक चिन्ता का कारण रहेगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक मित्रों का सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, नवीन योजनाओं का क्रियान्वयन होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों की नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का दाम्पत्य जीवन सुखमय शांतिपूर्ण रहेगा, मिथुनऔर कन्या राशि के व्यक्तियों को सामाजिक मित्रों के कार्यो में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक मित्र के सहयोग से पद परिवर्तन होगा, कर्क राशि के व्यक्तियोंको उत्तम सफ्लता मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये योजना साकार होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को निजी पुरूषार्थ का लाभ मिलेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक शरीर से दुबला पतला किन्तु लबे कद का फुर्तीला स्वाभाव का बुद्धिमान और चतुर व्यवहारकुशल परिश्रमी होगा. स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा. ज्वर निमोनिया आदि से 5 वर्ष की आयु तक तकलीफ उठायेगा. बाद में बालक स्वस्थ्य रहेगा. यात्राप्रिय एवं मनोरंजन का शौकील होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

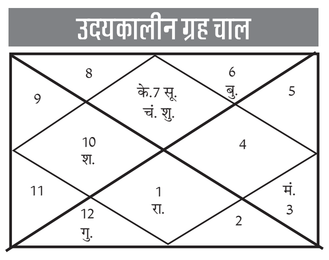

पंचांग

रा.मि. 25 संवत् 2082 माघ कृष्ण द्वादशी गुरूवासरे रात 8/9, ज्येष्ठा नक्षत्रे रातअंत 6/5, वृद्धि योगे रात 9/21, कौलव करणे सू.उ. 6/42, सू.अ. 5/18, चन्द्रचार वृश्चिक रातअंत 6/5 से धनु, पर्व-तिल द्वादशी, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक-0,3,7.

व्यापार भविष्य

माघ कृष्ण द्वादशी को ज्येष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड, शक्कर सरसों, अरंडी, सोयाबीन, पामोलिन आदि तिलहन में तेजी होगी. गेहूँ, जौ चना, अनाज, पर नरमीं रहेगी. नीचे के भाव सम रहेंगे. उसी में तेजी होगी. भाग्यांक 2698 है.

मेष- पारिवारिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. समय अनुकूल एवं लाभप्रद रहेगा. वाद विवाद को टालें. अच्छे समय का लाभ अवसर के अनुरूप प्राप्त करें.

वृषभ- स्वास्थ्य में सुधार होगा. नवीन योजनाओं का विकास होगा. कुछ नये समाचार मिलेंगे. मानसिक प्रसन्नता में वृद्धि होगी. संयम रखें.

मिथुन- राजकीय कार्यो में सफ्लता मिलेगी. महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति होगी. मन मुताबिक सफ्लता मिलेगी. नियमितता बनी रहेगी. संयम रखें.

कर्क- आज का दिन शुभ एवं अनुकूल रहेगा. आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी. यश मिवेहा, शारीरिक मानसिक शांति और संतोष बना रहेगा.

सिंह- अनावश्यक कार्यो पर खर्च होगा. कामकाज में बाधायें आ सकती है. पूज्य व्यक्ति की सलाह लाभदायक रहेगी. मन में विशेष संतोष रहेगा.

कन्या- पराक्रम में वृद्धि होगी. नये कार्यो के प्रति विशेष रूचि रहेगी. किये गये प्रयासों में लाभ प्राप्त होगा. नियमितता बनी रहेगी. सलाहलाभप्रद रहेगी.

तुला- आर्थिक समस्या का सरलता से समाधान होगा. पूज्य व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा. मानसिक अस्थिरता रह सकती है. कामकाज पूर्ण होगा.

वृश्चिक- सामाजिक विवादों से बचने का प्रयास करें. मान सम्मान की प्राप्ति होगी. प्रसन्नता रहेगी. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. यश प्राप्त होने का योग है.

धनु- शिक्षा के क्षेत्र में सफ्लता के योग है. यश मान सम्मान प्रतिष्ठा प्राप्त होगी. नवीन योजना बनेगी. दूर दराज की यात्रा करते समय सावधानी बांछनीय है.

मकर- श्रम एवं प्रयास करने पर सफ्लता मिलेगी. आमोद प्रमोद के अवसर प्राप्त होंगे. निजी दायित्वों का लाभ प्राप्त होगा. सुख, संयम बना रहेगा.

कुम्भ- परिजनों पड़ोसियों या अन्य किसी से व्यर्थ की सलाह लेना कष्टप्रद रह सकता है. स्वयं के बुद्धि विवेक से काम लें. परिश्रम दौड़धूप होगी.

मीन- शारीरिक सुख एवं मानसिक दृष्टि से संतोष का अनुभव होगा. यश मान सम्मान प्राप्त होगा. सुख सामान्य एवं अच्छा रहेगा. संयम रखें.

SUDOKU 7274

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7273

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6